çl &foKfIr

5th tlu] fo'o i;kZoj.k fnol

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2015) के अवसर पर पर्यावरण संतुलन बनाये रखने के उद्देश्य से राज्य की हरित पट्टी के विकास हेतु एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कुसई–घाघरा रोड़ पर सड़क के किनारे वृक्षारोपण के द्वारा की गई। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के अतिरिक्त, माननीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री सरयू राय, मुख्य सचिव श्री राजीव गौवा, प्रधान सचिव वन एवं पर्यावरण श्री अरूण कुमार सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री बी० सी० निगम तथा वन एवं पर्यावरण विभाग के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर बी० एन० आर० होटल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में माननीय मुख्य मंत्री द्वारा राज्य में हरित क्षेत्र के विकास हेतु राज्य के किसानों की भागीदारी पर विशेष बल दिया गया। माननीय मुख्य मंत्री द्वारा किसानों की निजी जमीन पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्य हेतु 'मुख्य मंत्री जन वन विकास योजना' की भी घोषणा की गयी। इस योजना के अन्तर्गत सम्बधित किसान को अपनी भूमि पर ईमारती एवं फलदार प्रजाति के पौधे लगाने पर प्रति वर्ष पौधों की उत्तरजीविता के आधार पर पूरी लागत का 50% अनुदान के रूप में दी जायेगी।

माननीय मुख्य मंत्री द्वारा राज्य की भावी पीढ़ी को पर्यावरण एवं वन संरक्षण से जोड़ने हेतु हरित विद्यालय एवं हरित अस्पताल हेतु पुरस्कार योजना की घोषणा की गयी। इसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख रूपये एवं प्रशस्ति पत्र तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में रू० पचास हजार तथा प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम को जन–जन तक ले जाने के उद्देश्य से माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा गैर सरकारी संस्थानों, निजी एजेंसियों आदि हेतु भी तीन पुरस्कार योजना की घोषणा की गयी। प्रथम पुरस्कार के रूप में 2 लाख रू० और प्रशस्ति पत्र, द्वितीय पुरस्कार के रूप में दो संस्थानों को रूपये एक–एक लाख व प्रशस्ति पत्र तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में पांच संस्थानों को रूपये पचास–पचास हजार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जायेंगे। ये पुरस्कार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर 2015 को दिये जायेंगे। माननीय मुख्य मंत्री ने राज्य के प्रत्येक नागरिक से प्रतिवर्ष दस–दस वृक्ष लगाने की भी अपील की ताकि विकास व पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन बना रहे।